[illegible]

[illegible] (Waefeso)

[illegible] 2:14–15 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]—[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]:

> “[illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible]; [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]”
> (Waefeso 2:14–15)

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]:

1) [illegible] [illegible]

“[illegible]” [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] (Isaya 53:5–6; Warumi 3:23–25)। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

मसीह ने प्रधानताओं और अधिकारों को निहत्था कर दिया — विजय
का सार्वजनिक प्रदर्शन

है।

2) दुष्ट आत्मिक शक्तियों पर मसीह की विजय

यीशु ने प्रधानताओं और अधिकारों—अर्थात दुष्ट आत्मिक शक्तियों—को निहत्था कर दिया और उनकी हार को सार्वजनिक रूप से प्रकट किया। इससे यह स्पष्ट होता है कि मसीह का कार्य केवल व्यक्तिगत उद्धार तक सीमित नहीं था, बल्कि एक सार्वभौमिक विजय थी (इफिसियों 6:12)।

“उन्हें खुलेआम दिखा दिया” — इसका अर्थ क्या है?

इसका अर्थ यह है कि यीशु ने दुष्ट आत्मिक शक्तियों को उजागर किया और उन्हें लज्जित किया। यह उस रोमी विजय-यात्रा के समान है, जहाँ पराजित शत्रुओं को जनता के सामने प्रदर्शित किया जाता था। क्रूस पर मसीह की विजय छिपी हुई नहीं, बल्कि सबके सामने प्रकट हुई।

यीशु ने किन शक्तियों को निहत्था किया?

यीशु ने अपना अधिकार नहीं छोड़ा, बल्कि उस अधिकार को समाप्त किया जिसे शैतान ने मनुष्य के पतन के बाद अवैध रूप से अपने हाथ में ले लिया था (उत्पत्ति 3; यूहन्ना 12:31)।

मसीह ने प्रधानताओं और अधिकारों को निहत्था कर दिया — विजय
का सार्वजनिक प्रदर्शन

यीशु, दूसरा आदम होकर (1 कुरिन्थियों 15:45), शाप को उलट देता है और खोए हुए प्रभुत्व को फिर से स्थापित करता है।

यीशु मत्ती 28:18 में कहते हैं:

“स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।”

यह वचन दर्शाता है कि पुनरुत्थान के बाद सारा अधिकार शैतान से लेकर मसीह को सौंप दिया गया।

क्रूस पर शैतान की निर्णायक पराजय

मनुष्यों की दृष्टि में क्रूस अपमान और पराजय प्रतीत होता है, परन्तु वास्तव में वही शैतान की शक्ति के टूटने का क्षण था।

यीशु यूहन्ना 14:30 में कहते हैं:

“इस संसार का सरदार आता है, और मुझ में उसका कुछ भी नहीं।”

मसीह ने प्रधानताओं और अधिकारों को निहत्था कर दिया — विजय
का सार्वजनिक प्रदर्शन

इसका अर्थ है कि शैतान का यीशु पर कोई अधिकार नहीं था—यीशु कभी उसके अधीन नहीं रहा।

कुलुस्सियों 2:15 इस सत्य की पुष्टि करता है:

“उसने प्रधानताओं और अधिकारों को निहत्था कर दिया, और उन पर जयवन्त होकर उन्हें खुलेआम दिखा दिया।”

विश्वासियों के लिए व्यावहारिक शिक्षा

क्योंकि यीशु के पास सभी आत्मिक शक्तियों पर पूरा अधिकार है, इसलिए विश्वासियों को भय में नहीं, बल्कि विश्वास और साहस में जीना चाहिए।

शैतान या जादू-टोने का भय करने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि हम मसीह की विजय के अधीन हैं (रोमियों 8:37–39)।
आत्मिक युद्ध वास्तविक है, परन्तु मसीह के सिद्ध कार्य में हमारी विजय सुनिश्चित है (इफिसियों 6:10–18)।
मसीह की विजय की सच्ची समझ हमें भय से मुक्त करती है और निर्भीक जीवन जीने की सामर्थ्य देती है।

यीशु स्वर्ग, पृथ्वी और आत्मिक जगत पर सर्वोच्च राज्य करता है।

मसीह ने प्रधानताओं और अधिकारों को निहत्था कर दिया — विजय
का सार्वजनिक प्रदर्शन

शैतान का समय सीमित है, और एक दिन हर घुटना यीशु के सामने झुकेगा (फिलिप्पियों 2:9–11)।

यीशु को ग्रहण करें। उस पर विश्वास रखें। और उस विजय में साहस के साथ जीवन जिएँ जो उसने आपके लिए प्राप्त की है।

प्रभु आ रहा है।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp